बेहतर आय के लिए अनार के खेती

- अनार प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, खनिज, एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन–ए, बी और सी का एक अच्छा स्रोत है और इसके अनगिनत स्वास्थ्य लाभ हैं।
- हल्की सर्दी और गर्म ग्रीष्मकाल वाली जलवायु अनार की खेती के लिए आदर्श है।
- अनार की खेती शुष्क एवं अर्ध–शुष्क क्षेत्र के लवणीय या क्षारीय भूमि पर भी सफलतापूर्वक की जा सकती है।

अनार : एक व्यवसायिक फसल

- उच्चतम अनुकूलनशीलता
- उच्च आर्थिक लाभ (रु 3.5 से 4 लाख प्रति हेक्टेयर)
- निर्यात मांग(2018–19 में 67891.8 टन)

भग्वा

काजरी विशाल

- आकर्षक लाल रंग के फल के कारण भग्वा किस्म की बाजार में अधिकतम मांग है
- काजरी विशाल एक अगेती किस्म है जिसके फल आकार में बड़े (350 से 400 ग्राम), मुलायम बीज और एरिल (60 प्रतिशत) और जूस (40 से 45 प्रतिशत) की अधिक मात्रा होती है

उत्पादन प्रबंधन

- **रोपण सामग्री**: ऊतक संवर्धित या कलम द्वारा तैयार पौध
- **गड्ढ़े की तैयारी**: रेखांकन एवं गड्ढ़ा खोदने का कार्य 15 से 25 दिन पूर्व सम्पन्न कर लेना चाहिए, दो फीट लम्बा, दो फीट चौड़ा और दो फीट गहरा आकार के गड्ढ़ा खोदकर 0.1 प्रतिशत कार्बेन्डाजिम के घोल से अच्छी तरह भिगो देना चाहिए।
- **गड्ढ़े की भराई**: ऊपरी उपजाऊ मिट्टी में 10 कि.ग्रा. सड़ी गोबर या मींगनी की खाद, 1 कि.ग्रा. वर्मीकम्पोस्ट, 1 कि.ग्रा. नीम की खली, 20 ग्राम कार्बोफ्युरान, 25 ग्राम ट्राइकोडरमा, 25 ग्राम पीएसबी तथा 50 ग्राम पेसिलोमीसीज कल्चर
- **रोपण**: पौधों से पौधों 4 मीटर या 3.5 मीटर तथा पंक्तियों की 4 मीटर की दूरी पर 715 पौधे प्रति हेक्टेयर
- **संधाई विधि**: 3 से 4 मुख्य तने के साथ
- **छंटाई**: फल तुड़ाई के तुरंत बाद तथा बहार नियमन के समय फल लगने और बढ़वार के समय नए कोपलों के हल्की तुड़ाई
- **बहार**: सर्वश्रेष्ठ मौसम मृग बहार (जुलाई–फरवरी)
- **फसल नियमन**: बहार नियंत्रण के लिए कुछ समय पहले (जून में) सिंचाई बंद कर देते हैं। जुलाई के अंतिम सप्ताह में ईथ्रेल (2 मि.ली. प्रति लीटर) का छिड़काव

- तीन दिनों के अंतराल पर पानी में घुलनशील खनिजों के साथ फर्टीगेशन
- फलों के फटने को कम करने के लिए 0.4 प्रतिशत बोरान, 1 प्रतिशत कैल्सियम, 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट, 150 से 250 पीपीएम जीए 3 का 4 से 5 सप्ताह पहले छिड़काव, ड्रिप से नियमित सिंचाई और पलवार का प्रयोग
- सन स्केल्ड को कम करने के लिए उचित कटाई–छंटाई, पार्चमेंट पेपर या सफेद नॉन वूवेन कपड़े (ग्रो कवर) द्वारा फलों या पूरे पेड़ को ढ़क कर किया जा सकता है

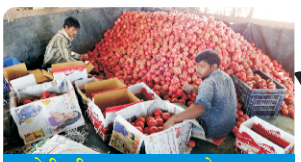

परामर्श

- उच्च वायु वेग वाले क्षेत्रों में वायुरोधक और शेल्टरबेल्ट का प्रावधान होना चाहिए।
- विश्वसनीय स्रोतों से केवल रोग और नेमाटोड मुक्त रोपण सामग्री का ही उपयोग करें
- पानी और पोषक तत्व प्रबंधन के लिए फर्टी–ड्रिप सिस्टम का ही उपयोग करना चाहिए
- शुष्क क्षेत्र में अनार उगाने के लिए, वर्षा जल संचयन और नमी संरक्षण उपाय को अवश्य अपनाना चाहिए

योगदान: **अकथ सिंह एवं पी.आर. मेघवाल**
भाकृअनुप–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर 342 003 (भारत)
www.cazri.res.in

काजरी फैक्टशीट: 2021

CAZRI®
Enhancing resilience of arid lands